मानसून पूर्व वर्षा जल को सहेजने का प्रयास

दैनिक जागरण, नई दिल्ली, दिनांक - 07.04.2021

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से शुरू किए गए जल शक्ति अभियान में अब दिल्ली भी योगदान देगी। उपराज्यपाल अनिल बैजल ने इसके लिए हर विभाग से यह पूछा है कि इस अभियान में क्या और किस तरह से योगदान दिया जा सकता है। इसके साथ ही मानसून की दस्तक से पूर्व ही इस दिशा में पुख्ता कार्ययोजना तैयार करने के आदेश भी दिए है।

डीडीए, जल बोर्ड, वन विभाग, बाढ एवं सिंचाई विभाग, दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसायटी सहित तमाम सरकारी विभाग एक्शन प्लान तैयार कर रहे है। डीडीए ने उन जलाशयों का सर्वे भी शुरू कर दिया है, जहां जल संचयन की संभावनाएं अधिक है। दरअसल, दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसायटी ने डीडीए को उसके अधीन दिल्ली के करीब 800 जलाशय होने की सूचना दी है। इनमें काफी जलाशय उन 89 गांवों की जमीन पर स्थित है, जो कोरोना लाकडाउन से पहले ही शहरीकृत घोषित किए गए थे। डीडीए ने इस आंकडे की पुष्टि करने और संरक्षित हो सकने वाले जलाशयों की पहचान के लिए अपनी एक अंतरविभागीय टीम का गठन कर सर्वे भी प्रारंभ कर दिया है। यह सर्वे मई माह तक पूरा कर लिया जाएगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि 30 से 40 फीसद जलाशयों को पुनर्जीवित करना अब संभव नहीं होगा। डीडीए ने सभी मुख्य अभियंताओं और पांचों जोनों से भी एक्शन प्लान मांगा है। उघान विभाग की ओर से भी हर जोन के जलाशयों की पुनरोद्वार योजना की निगरानी के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त कर दिया है। डीडीए के उघान विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नेशनल एन्वायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीटयूट और आइआइटी दिल्ली के सहयोग से प्रायोगिक आधार पर प्रसाद नगर, रोहिणी और महरौली के जलाशयों में इन सीटू बायो रेमेडियल तकनीक का इस्तेमाल किया गया। करीब दो महीने तक प्रयोग करनेके बाद नतीजे काफी सकारात्मक रहे हैं। इसीलिए अब इन अनुभवों के आधार पर ही अन्य जलाशयों में भी इसी का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी के मददेनजर वसंत कुंज स्थित एक पार्क और स्मृति वन में जलाशय का कायाकल्प करने के लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है।